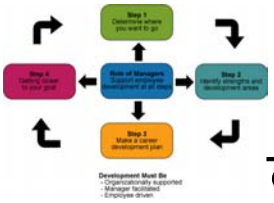

कॅरिअर का चयन एवं प्रबंधन

– प्रद्युम्न कुमार सथुआ

पढ़ाई पूरी करने के बाद, युवा शिक्षित व्यक्तियों के मस्तिष्क में एक बहुत ही आम प्रश्न उठता है कि कौन सा कॅरिअर चुना जाए। कॉलेज या विश्वविद्यालय से बाहर कदम रखने के बाद तथा कोई कॅरिअर चुनने के बाद यह किसी भी व्यक्ति के जीवन का अत्यधिक महत्वपूर्ण क्षण होता है। उस समय किसी व्यक्ति द्वारा लिया गया निर्णय उसके शेष जीवन का निर्धारण करता है। यदि व्यक्ति द्वारा चुना गया कॅरिअर सही है तो सफलता के अवसर ऊंचे होते हैं। यदि ऐसा नहीं होता तो जीवन भर असफलता और संघर्ष की संभावना होती है।

अपने अध्ययन–काल के दौरान अधिकांश व्यक्ति सफल कम्प्यूटर इंजीनियर डॉक्टर, वैज्ञानिक या अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। कई छात्र अपने अभिभावकों की अभिलाषाओं का पालन करते हैं और अपने लिए एक सुरक्षित कॅरिअर बनाने में समर्थ होते हैं। चूंकि प्रत्येक व्यक्ति में अभिवृत्ति नहीं होती और न ही वह कठिन प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण कर सकता, इसलिए उनमें निराशा आ जाती है। कॅरिअर की सफलता की कुंजी अच्छी तैयारी करने में निहित होती है, न कि दूसरों का अनुकरण करने में। भविष्य के लिए यह बेहतर होगा कि युवा उस कॅरिअर को चुनें, जिसमें उनकी रुचि है।

सफलता और असलफता एक सिक्के के दो पहलू होते हैं। हमने देखा है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी करने में कई असफल प्रयासों और कई वर्ष खराब करने के बाद कुछ व्यक्तियों को ऐसे रोज़गार में लगा दिया जाता है जिसे वे नहीं चाहते। किसी व्यक्ति के रूझान का पता लगाया जाता या पहले स्व–मूल्यांकन किया जाता है तो उसके पिछले वर्षों को खराब होने से बचाया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति किसी व्यवसाय विशेष के योग्य नहीं है तो उसे कुछ और करने की सलाह दी जाए। भारतीय सामाजिक माहौल में कोई सही कॅरिअर चुनना एक कठिन कार्य है, क्योंकि युवा शिक्षित युवकों को विभिन्न क्षेत्रों से कई प्रकार के कॅरिअर परामर्श तथा सुझाव मिलते हैं। इसी तरह, कई मामलों में सामान्यतः अभिभावक, आग्रही शामिल होते हैं और बच्चों के कॅरिअर को प्रभावित करते हैं। ऐसी सभी बातें हमेशा उद्देश्यपूर्ण नहीं होतीं और इनसे कई बार कॅरिअर के गलत निर्णय लिए जाते हैं।

निर्णय लेना

किसी कॅरिअर के चुनाव तथा प्रबंधन में गंभीर सोच एवं निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। सबसे पहला प्रश्न अभिरुचि का होता है। यह जरूरी है कि अन्य व्यक्तियों द्वारा लिए जाने वाले उच्च वेतन की किसी कहानी से आप प्रभावित न हों, क्योंकि प्रत्येक व्यवसाय में अन्यों की तुलना में अधिक वेतन कमाने की संभावना होती है। अभिरुचि का प्रश्न भी यह पता लगाने में महत्वपूर्ण होता है कि क्या कोई व्यक्ति किसी व्यवसाय में सफल हो सकता है। हमेशा यह ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है कि हमारा जीवन हमारी पसंद पर निर्भर होता है, एक सही चुनाव हमें अपने जीवन की ऊंचाइयों पर ले जा सकता है, जबकि कोई गलत निर्णय हमें संघर्ष एवं कुंठाओं से भरा जीवन दे सकता है। जीवन के ऐसे महत्वपूर्ण निर्णयों में एक होता है कॅरिअर का चयन, जो हमारे भाग्य के भविष्य को निर्धारित कर सकता है। कॅरिअर का चयन एक महत्वपूर्ण निर्णय होता है। तथापि, वर्तमान में एक प्रकार का रोज़गार लेने का यह अर्थ नहीं होता कि कोई भी व्यक्ति हमेशा उसी व्यवसाय में रहेगा। व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व, कौशल एवं रुचियों पर ध्यान देना चाहिए और कोई ऐसा कॅरिअर ढूंढ़ना चाहिए जो उसके उपयुक्त हो।

उदाहरण के लिए, ऊंचा वेतन प्राप्त करने वाले अधिकांश व्यवसायी हमेशा प्रबंधन व्यवसायी या सॉफ्टवेयर इंजीनियर नहीं होते। एक सफल डाक्टर या प्रख्यात पत्रकार या कोई फैशन डिज़ाइनर अधिक राशि कमाने में सक्षम हो सकता है। सिविल सर्विसेस के लिए तैयार करने वाले छात्र यह अच्छी तरह पता लगा सकते हैं कि ऐसी परीक्षाओं जिन्हें वे उत्तीर्ण नहीं कर सकते, के लिए प्रयास करने में कई वर्ष लगाने की बजाय क्या वे रोज़गार के लिए उपयुक्त हैं। यह मात्र जागरुकता का मामला नहीं है, बल्कि अभिरुचि का भी मामला है।

प्रतिबद्धता एवं अपनी क्षमता का मूल्यांकन करना भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है। अपने प्रति ईमानदार होना, लगाए जाने वाले समय का मूल्यांकन करना तथा अपने संसाधनों का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है। मोहक लगने वाले व्यवसायों से भ्रमित न हों, बल्कि किसी ऐसे व्यवसाय को चुनें जो आपके अनुरूप हो।

अंतः शक्ति का विश्लेषण करना

अंतः शक्ति एवं कमजोरी ऐसे तथ्य हैं जिनका, आत्म–विश्लेषण करके पता लगाया जाना चाहिए। अपनी शक्ति तथा कमजोरियों का स्व–मूल्यांकन करके अपनी अंतर्निहित क्षमता का पता लगाया जा सकता है। सफल व्यक्तियों से वार्ता करके संकट के समय स्वयं की प्रतिक्रियाओं का पता लगा कर और कुछ महत्वपूर्ण मामलों पर एक समूह की उपलब्धियों से अपनी उपलब्धियों की तुलना करके भी अंतर्निहित क्षमताओं का मूल्यांकन किया जा सकता है। यह आत्म–विश्लेषण व्यक्ति में विश्वास तथा क्षमता का संचार करता है। अपने कॅरिअर की तैयारी, व्यवस्था तथा निर्वाह के लिए अपने महत्वों को जानना भी अत्यधिक महत्वपूर्ण होगा।

आत्म–विश्लेषण, किसी भी व्यक्ति को उसमें निहित क्षमता, शक्ति तथा कमजोरी की व्यापक एवं लाभदायी जानकारी देता है, जो उस व्यक्ति को कोई कॅरिअर चुनने में सहायता करेगा। उदाहरण के लिए, सामर्थ्य शैक्षिक तथा व्यावसायिक योग्यताओं, अनुभव, नैतिक शक्ति, व्यक्तियों को संतुष्ट करने की क्षमता, व्यवसाय कुशाग्रता एवं अभिरुचि, परिणाम देने की क्षमता आदि में निहित हो सकता है। इसी तरह, कमजोर योग्यताओं, अनुभव की कमी, आत्म–विश्वास की कमी, व्यावहारिक ज्ञान की कमी के संबंध में हो सकती है। एक वस्तुनिष्ठ विश्लेषण किसी के कॅरिअर को एक उपयुक्त दिशा दे सकता है। तीन में से कोई एक मार्ग चुन कर कोई भी व्यक्ति उन लक्ष्यों को निर्धारित कर सकता है जिन्हें पूरा किए जाने की आवश्यकता है। अपनी रुचियों का विश्लेषण करने में पर्याप्त समय लें और कॅरिअर के संबंध में आपको क्या आकर्षिक करता है और सुचारू रूप में प्रेरित करता है। आप अपनी सहज प्रवृत्ति का अनुसरण करें और स्वाभाविक क्षमता के साथ आगे बढ़ें, इससे आप दौड़ में अन्यों से आगे रह सकते हैं।

सामान्य जानकारी

यह एक ऐसा तथ्य है जिसके बारे में किसी व्यक्ति को स्वयं के संबंध में व्यावसायिक रूप से तथा तकनीकी रूप से पूर्णतः सुनिश्चित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, भारत एवं विदेशों के बारे में माहौल में परिवर्तनों की सामान्य जानकारी होना अनिवार्य है। इस जानकारी में सामाजिक राजनीतिक व्यवस्था, आर्थिक योजना, विश्व अर्थव्यवस्था और भूगोल, वर्तमान समाचारों तथा घटनाओं सहित दिन–प्रतिदिन के विकास के बारे में ज्ञान होना शामिल है। ऐसी जानकारी रातों–रात प्राप्त नहीं की जा सकती और इसके लिए वर्षों की निरंतर मेहनत एवं समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं को नियमित पढ़ना आवश्यक है। आसपास के माहौल के व्यापक ज्ञान वाली कुशाग्र बुद्धि होना स्व–रोज़गार से लेकर अन्य सेवाओं के विविध क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने का एक उपाय है। रोज़गार के लिए प्रतियोगिताओं और साक्षात्कार के मामले में, ऐसी जानकारी किसी व्यक्ति को अन्यों की तुलना में लाभ दिला कर सफलता दिलाने में बहुत उपयोगी होती है। स्व–रोज़गार के मामले में, आस–पास के परिवेश और राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक माहौल से सुपरिचित व्यक्ति को सफलता प्राप्त करने और अपने प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने का अवसर होता है। जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए तकनीकी तथा व्यावसायिक रूप से ज्ञान से सुसम्पन्न और अपने ज्ञान के आधार पर स्थिति से निपटने का विश्वास रखने वाला व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अन्यों की तुलना में हमेशा आगे रहता है।

व्यवसायवाद

आज–कल प्रत्येक व्यक्ति व्यवसायी बनना चाहता है या व्यावसयिक रूप से प्रबंधित किसी संगठन में कार्य करना चाहता है। शब्द–कोश में व्यवसायी शब्द के अर्थों में दो अर्थ ऐसे हैं जो हमारे कार्य करने के तरीकों से जुड़े हैं। पहला किसी कार्य या व्यवसाय से संबधित है और दूसरे का अर्थ है सुप्रशिक्षित या ऐसा व्यक्ति जो अपने कार्य में अच्छा हो। इसलिए एक व्यवसायी होने का अर्थ है कि कोई व्यक्ति अपने कार्य में अच्छा है और उस पर निर्भर रहा जा सकता है। अतः स्पष्ट है कि पहले अर्थ में व्यवसायी होना आसान है। यदि हम अपने जीवन में कुछ बार–बार करते हैं तो हम किसी सीमा तक व्यावसायिक बन जाते हैं। तथापि दूसरा अर्थ अधिक कठिन प्रतीत होता है।

उत्साह के साथ नहीं किए जाने वाले कार्यों की बजाय ऐसे कार्य करना बेहतर है जो उत्साहपूर्वक किए जाते हैं। व्यावसायिक तथा गैर–व्यावसायिक व्यवहार के ये साधारण उदाहरण हैं। किसी कार्य को बार–बार करने से कोई

व्यक्ति व्यवसायी नहीं बन जाता। हम ऐसे व्यक्ति ढूंढ़ सकते हैं जो वर्षों से एक ही कार्य कर रहे हैं, उन्हें निश्चित तौर पर व्यवसायी नहीं कहा जा सकता, भले ही उनकी योग्यताएं कुछ भी हों।

(प्रद्युम्न कुमार सथुआ – एक वरिष्ठ दूरदर्शन पत्रकार हैं जो मानक सेटेलाइट टेलीविज़न (समाचार), पुरी (उड़ीसा) से जुड़े हुए हैं । ई–मेल : pradyumna_ sathua@rediffmail.com)